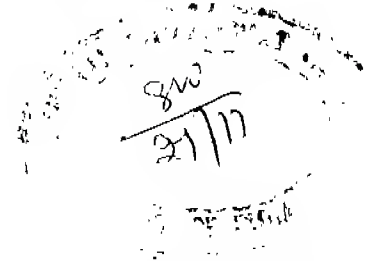




भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 364]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 20, 1989/ज्येष्ठ 30, 1911

No. 364]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 20, 1989/JYALSTHA 30, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 20 जून, 1989

चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1989

का० आ० 472 (अ):— केन्द्रीय सरकार, चाय अधि-
नियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 30 की उपधारा
(3) और (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुये, निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इस आदेश का
संक्षिप्त नाम चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1989
है।

2. यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन
समाप्त होने पर प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं:— (1) इस आदेश में, जब तक कि
संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से चाय अधिनियम 1953
(1953 का 29) अभिप्रेत है;

(ख) “अध्यक्ष” से चाय बोर्ड का अध्यक्ष अभिप्रेत है
और इसके अन्तर्गत, तत्समय अध्यक्ष की शक्तियों
का प्रयोग करने वाला कोई व्यक्ति भी है;

(ग) “प्ररूप” से इस आदेश से संलग्न कोई प्ररूप अभि-
प्रेत है;

(घ) “अनुज्ञप्ति” से इस आदेश के अधीन दी गई अनु-
ज्ञप्ति अभिप्रेत है;

(ङ) “अनुज्ञप्तिधारी” अनुज्ञप्ति का धारक अभिप्रेत
है;

(च) “अनुज्ञापन” प्राधिकारी से अध्यक्ष या इस निमित्त
केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत किया गया चाय
बोर्ड का कोई अन्य अधिकारी अभिप्रेत है;

- (छ) "चाय बोर्ड" से अधिनियम की धारा 4 के अधीन स्थापित चाय बोर्ड अभिप्रेत है;
- (ज) "भाण्डागार" से ऐसा ठका हुआ शेड या गोदाम अभिप्रेत है जिसके फर्श का क्षेत्रफल 200 वर्ग मीटर से कम माप का न हो और जिसमें चाय का भण्डाकरण अथवा सम्मिश्रण किया जाता हो या चाय को पैक किया जाता हो;
- (झ) "भाण्डागार स्वामी" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो किसी भाण्डागार का स्वामी है या जो किसी भाण्डागार को पट्टे पर लेकर चाय के भण्डाकरण, सम्मिश्रण या पैक करने संबंधी क्रिया-कलाप करता है।

2. उन शब्दों और पदों के जो इस आदेश में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) में परिभाषित हैं, क्रमशः वही अर्थ होंगे जो उनके उस अधिनियम में हैं।

3. भाण्डागार—स्वामियों का अनुज्ञप्ति अधिप्राप्त करना—कोई भी भाण्डागार स्वामी, अनुज्ञप्ति के अधीन और इस आदेश के उपबन्धों के अनुसार सिवाय, चाय के भण्डाकरण, सम्मिश्रण या पैक करने संबंधी क्रिया-कलापों को नहीं करेगा परन्तु यह तब जबकि:—

(क) इस आदेश के लागू होने का क्षेत्र उन नगरों/कस्बों में होगा जहां सार्वजनिक चाय नीलाम, स्थानीय नीलाम व्यवस्थापकों को अनुवत्त अनुज्ञप्ति के अधीन चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश 1984 के अनुसार नीचे विहित सीमाओं के अन्तर्गत होगा:—

- (1) कलकत्ता—नीलाम हाल से 20 कि० मी० दूरी के अन्तर्गत।
- (2) सिलीगुड़ी—नीलाम हाल से 10 कि० मी० दूरी के अन्तर्गत।
- (3) गुवाहटी—नीलाम हाल से 15 कि० मी० दूरी के अन्तर्गत।
- (4) कोचीन—नीलाम हाल से 10 कि० मी० दूरी के अन्तर्गत।
- (5) कन्नूर—नीलाम हाल से 5 कि० मी० दूरी के अन्तर्गत।
- (6) कोयम्बटोर—नीलाम हाल से 10 कि० मी० दूरी के अन्तर्गत।
- (7) अमृतसर—नीलाम हाल से 10 कि० मी० दूरी के अन्तर्गत।

परन्तु यह और कि अनुज्ञप्ति प्राधिकारी केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से इस आदेश के लागू होने के पूर्वोक्त क्षेत्र को उचित कर सकेगा या किसी नये नीलाम केन्द्र के मामले में जो कि

भारत में किसी दूसरे शहर नगर में अनुज्ञप्ति के अधीन चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 1984 के अनुसार स्थापित किया जाए, लागू होने वाले क्षेत्र को विहित कर सकेगा।

- (ख) अनुज्ञापन प्राधिकारी चाय के उत्पादन की मात्रा और अनुज्ञापन केन्द्र के माध्यम से उसके संचालन को विचार में रखते हुए प्रत्येक केन्द्र में अनुज्ञप्ति किए जाने वाले अधिकतम भण्डार स्थान को भी ध्यान में रख सकेगा।
- (ग) तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन स्थापित किसी पत्तन न्यास प्राधिकारी के स्वामित्व पत्तन वाले पत्तन क्षेत्र में स्थित भाण्डागार की बाबत किसी अनुज्ञप्ति की आवश्यकता नहीं होगी।
- (घ) अनुज्ञापन प्राधिकारी सड़क वाहनों को भाण्डागारों को जो थोड़े यात्राकाल के लिए चाय भण्डार करते हैं अनुज्ञापन कार्यक्षेत्र से छूट दे सकेगा।

4. अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन—अनुज्ञप्ति प्राप्त करने का प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति प्रारूप "क" में अनुज्ञापन प्राधिकारी आवेदन करेगा। अनुज्ञापन प्राधिकारी ऐसी अतिरिक्त सूचना और दस्तावेज मांग सकेगा जो इस संबंध में आवश्यक समझे जाएं।

5. अनुज्ञप्ति की मंजूरी या इन्कार—(1) अनुज्ञापन प्राधिकारी, ऐसे कारणों से, जो अभिलिखित किए जायेंगे, किसी आवेदक को कोई अनुज्ञप्ति मंजूर करने से इन्कार कर सकेगा और उसे इस प्रकार पारित आवेदन को एक प्रति देगा।

(2) जहां अनुज्ञप्ति के लिए कोई आवेदन उपखण्ड (1) नामंजूर नहीं किया जाता है, वहां अनुज्ञापन प्राधिकारी आवेदक को प्रारूप "ख" में अनुज्ञप्ति मंजूर करेगा।

(3) अनुज्ञप्ति मंजूर/नामंजूर करते समय अनुज्ञापन प्राधिकारी दूसरी शर्तों के अतिरिक्त आवेदक की वित्तीय स्थिति और आवेदक या उसके स्वत्वधारी/निवेशकों के पूर्व अनुभव पर यह सुनिश्चित करने के लिए विचार कर सकेगा कि आवेदक ग्राहकों/चाय व्यवसाय को संतोषजनक सेवाएं देने के योग्य होगा।

6. अनुज्ञप्ति की विधि मान्यता की अवधि—(1) इस आदेश के अधीन जारी अनुज्ञप्ति जब तक कि पूर्वतः रद्द या निलम्बित न कर दी गई हो, जारी किए जाने की तारीख से तीन वर्षों के लिए विधिमान्य रहेगी और उस एक समय से एक वर्ष के लिए नवीकृत किया जा सकेगा।

(2) अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ वह अनुज्ञप्ति लगी होगी, जिसका नवीकरण चाहा गया है, और यह आवेदन इस अनुज्ञप्ति के जिसका नवीकरण चाहा गया है, अवसान की तारीख से कम से कम तीस दिन पूर्व किया जाएगा।

- (3) खंड 5 या खंड 6 में अंतर्विष्ट किसी बाग के होने हुए भी इस अनुज्ञप्ति के आदेश के अधीन जारी या नवीकृत अनुज्ञापन प्राधिकारी के निमित्त और उसकी ओर से बोर्ड के सचिव द्वारा हस्ताक्षरित की जा सकती है।

7. अनुज्ञप्ति फीस :—अनुज्ञप्ति फीस जारी करने या उसके नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ निम्नलिखित फीस देनी होगी, अर्थात्

अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए	100 रु.
अनुज्ञप्ति नवीकरण के लिए	200 रु.

8. अनुज्ञप्ति का संशोधन :—अनुज्ञापन प्राधिकारी अपनी इच्छानुसार या अनुज्ञप्तिधारी द्वारा आवेदन दिए जाने पर आदेश के अधीन दी गई किसी अनुज्ञप्ति का ऐसी रीति में, जैसा कि आवश्यक हो, अनुज्ञप्ति को अधिनियम के उपबन्धों या इस आदेश के अन्य उपबन्धों या तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अनुरूप बनाने या इस अनुज्ञप्ति में किसी गलती या लोप को परिशोधित करने के लिए संशोधन कर सकेगा।

परन्तु जब अनुज्ञप्तिधारी का अनुज्ञप्ति में संशोधन के लिए आवेदन मंजूर नहीं किया जाता है या जहां अनुज्ञापन प्राधिकारी की यह राय है कि प्रस्तावित संशोधन अनुज्ञप्तिधारी के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा तो इस खंड के अधीन कार्यवाही करने से पूर्व अनुज्ञप्तिधारी को सुने जाने का उचित अवसर दिया जाएगा।

9. अनुज्ञप्ति की दूसरी प्रति :—यदि अनुज्ञापन प्राधिकारी का समाधान हो जाता है कि इस आवेदन के अधीन जारी की गई अनुज्ञप्ति विरूपित हो गई है, खो गई है, नष्ट हो गई है या अन्यथा बेकार हो गई है तो अनुज्ञापन प्राधिकारी, इस निमित्त किए गए आवेदन पर और एक सौ रुपये का फीस का संवाय किए जाने पर अनुज्ञप्ति की दूसरी प्रति जारी कर सकेगा।

10. अनुज्ञप्ति की शर्तें :—(1) प्रत्येक अनुज्ञप्ति को अनुज्ञप्तिधारी के नाम में वैयक्तिक रूप से मंजूर या नवीकृत किया गया समझा जाएगा और यह अन्तरणीय नहीं होगी।

- (2) जहां कोई अनुज्ञप्तिधारी अपने कारबार का किसी अन्य व्यक्ति का विक्रय या अन्तरण करना चाहता है, वहां दोनों अनुज्ञप्तिधारी और प्रस्तावित क्रेता या प्रस्तावित अन्तरिती को जैसी भी स्थिति हो अनुज्ञापन प्राधिकारी से पूर्व अनुज्ञा लेनी चाहिए और क्रेता अन्तरिती इस आवेदन के उपबन्धों के अनुसार अपने नाम के नवीन अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त करेगा।

- (3) यदि कोई अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति के अन्तर्गत अपने वाले कारबार के बारे में भागीदारी करता तो है, वह इस तथ्य को रिपोर्ट अनुज्ञापन अधिकारी को ऐसी भागीदारी करने के तीस दिन के

भीतर देगा और अनुज्ञप्ति का यथोचित रूप से संशोधित करा जाएगा और तदुपरि भागीदार और अनुज्ञप्ति का मूल धारक दोनों यथा संशोधित अनुज्ञप्ति को शर्तों द्वारा आवद्ध होंगे।

- (4) यदि भागीदारी विघटित कर दी जाती है तो प्रत्येक ऐसा व्यक्ति, जो ऐसे विघटन के ठीक पूर्व भागीदार था, उसके तीस दिन के भीतर अनुज्ञापन प्राधिकारी को विघटन की रिपोर्ट भेजेगा।

- (5) प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारी चाय बोर्ड के किसी पदधारी द्वारा, जिसे इस निमित्त अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा सम्पूक्त, प्राधिकृत किया गया हो, मांग किए जाने पर निरीक्षण के लिए अपनी अनुज्ञप्ति प्रस्तुत करेगा।

- (6) जहां कोई अनुज्ञप्तिधारी अपना कारबार बन्द करना चाहता है वहां वह इस निमित्त अपने आशय की सूचना प्रस्तावित बंद करने के कम से कम एक मास पूर्व अनुज्ञापन प्राधिकारी को देगा।

- (7) भाण्डागार निम्नांकित विनिर्देशों के अनुरूप होगा :—

(क) चाय भण्डाकरण के लिए उपयुक्त होगा ;

(ख) दीवारें और छत अधिमानतः ईंटों की बनी होंगी और उन पर ठीक ढंग से प्लास्टर होगा या दीन या ऐस्बेस्टॉस की बनी होंगी लेकिन किसी भी अवस्था में दीवारें तथा छत नमरोधी और लकरीयों की होनी चाहिए।

(ग) फर्श पूर्ण रूप से पक्का बना हुआ होगा उस पर ठीक ढंग से सीमेंट होगा और वह नमरोधी होगा।

(घ) वह उचित रीति से संवातित होगा और इसके साथ साथ कृतक प्राणियों, लेकिन नाशक जीवों जिहियों और कीड़ों मकोड़ों से सुरक्षित होगा।

(ङ.) वहां पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था होगी और वैधुन आसंजन अच्छी दशा में अनुरक्षित होना चाहिए;

(च) चाय पेटियों के सरलता पूर्वक प्रवेश और निर्गम के लिए पर्याप्त संख्या में समुचित नाप के दरवाजे होंगे।

(छ) चाय पेटियों को उतारने/लादने के समय जहां से होने वाली नुकसानों से सुरक्षित रखने के लिए प्रवेश / निर्गम दरवाजों पर आवृत्त लोकरोधी शैड होंगे।

- (ज) भंडार की गई सामग्री की सुरक्षा के लिए दरवाजे और खिड़कियां उचित रूप से सुरक्षित होंगे।
- (झ) जब भाण्डागार में अनुज्ञापनों के स्वामित्व वाली चाय के अतिरिक्त चाय का भण्डार किया जाएगा वहां चाय ले जाने वाले वाहनों को खड़ा करने, परिचालन के लिए पर्याप्त स्थान होगा। उपायमय सड़के उचित रूप से अनुरक्षित होंगी और पर्याप्त मात्रा में अग्निशामक उपस्कर होंगे।
- (ञ) भाण्डागार केवल चाय और चाय के भण्डाकरण, सम्मिश्रण और पैकिंग से संबंधित अन्य सामग्रियों का भण्डार करेगा। कोई भी वस्तु जो कि चाय को क्षतिग्रस्त पर प्रतिकूल प्रभाव डाले, भाण्डागार में नहीं रखी जाएगी।
- (ट) भाण्डागार के चारों ओर पारवर्ती क्षेत्र उचित स्वास्थ्यकर दशा में रखा जाएगा;
- (ठ) जलाशयिता वाले क्षेत्र में कोई नया निर्माण नहीं किया जाएगा। विद्यमान भाण्डागार भ्रष्टाचार भारी वर्षा के कारण पानी को अंदर आने से रोकने के लिए उचित पूर्व विधानी बरतेगा।
- (ड) हाथ से चाय का सम्मिश्रण करने के लिए लगाए गए श्रमिक स्वच्छ पोशाक पहनेंगे और वे संतर्पण रोग से मुक्त होंगे।
- (ढ) भाण्डागार में वहां किए जाने वाले कारबार की प्रकृति और मात्रा के अनुसार पर्याप्त संख्या में पर्यवेक्षण, लिपिकीयां, कर्मचारी वृद्ध और कर्मकार होंगे।
- (ण) चाय का भण्डार करने वाला भाण्डागार जो कि अनुज्ञापतिधारी का न हो निम्न-लिखित रखेगा :—
- (1) पर्याप्त संख्या में निगरानी कर्मचारी।
 - (2) कारबार को उस मात्रा/अनुपात में जो भाण्डागार करने के लिए सक्षम हैं पर्याप्त संख्या में तोलन/मापनी ठीक तोल सुनिश्चित करने के लिए प्रयोग में आने वाले ऐसे तराजूओं को उचित ढंग से रखा जाएगा।
 - (3) चाय पेटियों को फर्श पर गिराते समय नुकसानी से रोकने के लिए समुचित सामग्री से बनी हुई उस गछियों का प्रयोग किया जाएगा।

(4) चाय पेटियों को इतना ऊंचा नहीं रखा जाएगा कि उन्हें नुकसानी कारित तथा पेटियों के चिन्हांकन को सरलता पूर्वक पहचानने के लिए और कर्मचारियों को सुगमता पूर्वक आने जाने के लिए दो कतारों के लगाव को बीच काफी स्थान छोड़ा जाएगा।

(5) कार्यालय के लिए, चाय के भण्डाकरण, प्राप्त परिदान और सटिंग के लिए, दलालों को चाय के नमूने लेने के लिए तथा चाय के सम्मिश्रण और पैकिंग के लिए, जहां कहीं भी ऐसे प्रचालन लागू हों, पर्याप्त स्थान होगा।

8. अनुपालन प्राधिकारी अपना समाधान करेगा कि जिस व्यक्ति के लिए अनुज्ञापति मंजूर हुई है, होगी :—

- (क) उसके पास चाय का समुचित सम्मिश्रण करने, उसके पैकेज बनाने, उसे भंडार में रखने का सुनिश्चित करने के लिए प्रेक्षित सुविधाएं हैं।
- (ख) वह चाय उद्योग के लिए हानिहार रीति में कारबार नहीं करेगा।

9. प्रत्येक अनुज्ञापतिधारी भाण्डागारों में लगाए गए व्यक्तियों द्वारा चाय के उठाई-धराई के सम्बन्ध में अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा समय समय पर दिए गए निदेशों का पालन करेगा।

11. अनुज्ञापति का निलम्बन या रद्दकरण :—(क) अनुज्ञापन प्राधिकारी अनुज्ञापति धारक को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् इस आधार पर अनुज्ञापति को रद्द या निलंबित कर सकेगा कि इस आदेश के किन्हीं उपबन्धों या इस अनुज्ञापति की किन्हीं शर्तों का उल्लंघन हुआ है।

(ख) अनुज्ञापति को निलंबित या रद्द करने वाला प्रत्येक आदेश लिखित रूप में होगा और उसमें निलम्बन या रद्दकरण के लिए कारण विनिर्दिष्ट होंगे और वह ऐसे आदेश के पारित किए जाने के पन्द्रह दिन के भीतर अनुज्ञापतिधारी को संसूचित किया जाएगा।

(ग) जहां कोई अनुज्ञापति इस आदेश के अधीन निलम्बित या रद्द की जाती है, वहां अनुज्ञापति का धारक, चाय बोर्ड या केन्द्रीय सरकार से ऐसे निलम्बन या रद्दकरण के लिए किसी प्रतिकर या अनुज्ञापति फीस के प्रतिदाय का दावा करने के लिए हकदार नहीं होगा।

(घ) यहां उपखंड (क) के अधीन अनुज्ञापति निलम्बित की जाती है वहां अनुज्ञापन प्राधिकारी या कोई अधिकारी, अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त

प्राधिकृत चाय बोर्ड का अनुज्ञापन भाण्डागार में प्रवेश कर सकेगा और उसमें चाय के भण्डार करने या उत्पाद को सीलबंद कर सकेगा।

(ड.) वह अनुज्ञप्तिधारी जिसकी अनुज्ञप्ति निलम्बित कर दी गई है, सम्बन्धित भाण्डागार में चाय का भण्डारकरण, सम्मिश्रण या पैकेजिंग अनुज्ञप्ति के निलम्बन अवधि में तुरन्त बन्द कर देगा।

(च) जहाँ :—

(1) निलम्बन आदेश प्रतिसंहृत कर दिया जाता है वहाँ उपखण्ड (घ) के अधीन चाय का उत्पाद अनुज्ञप्तिधारी को वापस दे दिया जाएगा।

(2) अनुज्ञप्ति रद्द कर दी गई है, चाय का भण्डार/चाय उत्पाद भाण्डागार स्वामी को यह सलाह देते हुए वापस कर दिया जाएगा कि वह अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त निर्धारित निमित्त के भीतर भाण्डागार को खाली कर दे।

12. अपील-खण्ड 5(1) या खण्ड 22 के अधीन अनुज्ञापन प्राधिकारी के किसी आदेश से व्यथित, कोई व्यक्ति, उसके द्वारा आदेश की प्राप्ति की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार को अपील कर सकेगा और केन्द्रीय सरकार ऐसी जांच करने के पश्चात् जैसी वह ठीक समझे और आवेदक को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् आदेश की पुष्टि कर सकेगी, और उसे उलट सकेगी या उपास्तरित कर सकेगी।

13. लेखाओं का रखा जाना, आदि—(1) अनुज्ञापन प्राधिकारी किसी अनुज्ञप्तिधारी को निदेश जारी कर सकेगी कि वह :—

(क) भांडागार द्वारा किए गए कारबार की माता का ऐसा अभिलेख रखे।

(ख) अनुज्ञापन प्राधिकारी के विवरणियां या विवरण ऐसे प्ररूप में और अपने कारबार से संबंधित ऐसी जानकारी सहित और ऐसे समय के भीतर जो निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाए, प्रस्तुत करे;

(ग) चाय बोर्ड के ऐसे अधिकारी को, जो अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया जाए, अपने कारबार से संबंधित ऐसी लेखा बहियां और अभिलेख, जो निदेश में विनिर्दिष्ट किए जाएं निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करें।

(1) उपखण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रकृति का कोई निदेश साधारणतः या तो सभी अनुज्ञप्तिधारियों को अथवा किसी वर्ग या प्रवर्ग के अनुज्ञप्तिधारियों को, जैसी परिस्थितियों में अपेक्षित हो, जारी किया जा सकेगा।

14. आदेशों और निदेशों की तामील :—अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा या इस आदेश के अधीन किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा किया गया या जारी किया गया कोई आदेश या निदेश :—

(क) सामान्यतः अनुज्ञप्तिधारियों को या किसी वर्ग या प्रवर्ग के अनुज्ञप्तिधारियों को किसी आदेश या निदेश की दशा में राजपत्र से अधिसूचित किया जाएगा ;

(ख) किसी विशेष अनुज्ञप्तिधारी को किसी आदेश या निदेश की दशा में उसका ऐसे अनुज्ञप्तिधारी पर :—

(1) उस अनुज्ञप्तिधारी को उसका परिदान या निविदान करके तामील की जाएगी, या

(2) जहां उसका इस प्रकार परिदान या निविदान न किया जा सकता हो, वहां उस परिसर के जिसमें वह अनुज्ञप्तिधारी रहता है या कारबार करता है या लाभ के लिए व्यक्तिगत रूप से कार्य करता है, बाहरी द्वार पर या किसी अन्य सुदृश्य भाग पर उसे चिपका कर तामील की जाएगी और उसकी एक लिखित रिपोर्ट तैयार की जाएगी तथा पड़ोस में रहने वाले दो व्यक्तियों द्वारा उसे साक्षित किया जाएगा।

15. प्रविष्टि, तलाशी और अभिग्रहण की शक्ति :—

(1) अनुज्ञापन प्राधिकारी या उसके द्वारा लिखित रूप में इस निमित्त विशेष रूप से प्राधिकृत चाय बोर्ड का कोई अधिकारी आदेश के उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए किसी भी भाण्डागार में प्रवेश कर सकेगा और उसकी तलाशी ले सकेगा और किसी ऐसी चाय या चाय के ऐसे उत्पाद का, जिसका भंडारकरण, सम्मिश्रण या पैक किया जाता इस आदेश के उल्लंघन में किया गया प्रतीत होता है, अभिग्रहण कर सकेगा।

(2) इस खंड के अधीन कार्यवाही करने वाला कोई अधिकारी ऐसी कार्यवाही करने के चौबीस घंटों के भीतर अनुज्ञापन अधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

(3) तलाशी और अभिग्रहण से संबंधित, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) के उपबंध, जहां तक हो सके, उस आदेश के अधीन की गई प्रत्येक तलाशी या अभिग्रहण को लागू होंगे।

(4) जहां अनुज्ञापन प्राधिकारी या चाय बोर्ड का कोई अधिकारी उपखंड (1) के अधीन काम/चाय की उत्पाद का अभिग्रहण करता है और उसे भाण्डागार के स्वामी की सुरक्षित अभिरक्षा में रखने का विनिश्चय करता है वहां ऐसा प्राधिकारी या अधिकारी भण्डार को सील बंद

करने के बाद प्ररूप "ग" इस आशय का आदेश करेगा और उसको स्वामी पर नामील करेगा और स्वामी ऐसे आदेश का अनुपालन करेगा।

16. अनुज्ञप्ति की शर्तों का भंग इस आदेश का उल्लंघन समझा जाएगा यदि कोई अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों को भंग करता है तो उसकी बाबत यह समझा जाएगा कि उसने आदेश के उपबंधों का उल्लंघन किया है।

17. निरसन और ब्यावृत्ति:—चाय भाण्डागार (अनु-ज्ञापन आदेश 1980 निरमित किया जाना है :

परन्तु उपर्युक्त आदेश के अधीन जारी किए गए आदेश या की गई कार्यवाही की बाबत यह समझा जाएगा कि वह इस आदेश के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन किया गया आदेश या कार्यवाही है।

प्ररूप "क"

खण्ड 4 देखिए

चाय भाण्डागार अनुज्ञापन आदेश, 1989 के खंड 3 के अधीन अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन

मेधा में,

अनुज्ञापन प्राधिकारी,
चाय बोर्ड,
14 बी टी एस सारणी (ब्रेबोर्न रोड)
कलकत्ता-1

महोदय,

मैं/हम चाय के भण्डारकरण/सम्मिश्रण/पैकेजिंग सम्बन्धी क्रियाकलापों के लिए अनुज्ञप्ति हेतु आवेदन करता हूँ/करते हैं।

मैं/हम आवश्यक विवरण नीचे देता हूँ/देते हैं :—

- (1) आवेदक का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) : _____
 - (2) पूरा पता (जित पर पत्र व्यवहार किया जा सके) : _____
 - (3) उस भाण्डागार का पूरा पता जहाँ आवेदक भंडारकरण/सम्मिश्रण/पैकेजिंग करना चाहता है : _____
 - (4) भाण्डागार का तल क्षेत्र : (ताप का एक नक्शा संलग्न है) _____
 - (5) भाण्डागार स्वामी भाण्डागार अपने ही लेखे पर या स्वामी से पट्टे पर या अनुज्ञापनधारण करता है : _____
 - (6) भाण्डागार में किए जाने वाले कारखार की प्रकृति (भंडारकरण/सम्मिश्रण/पैक करना आदि) : _____
 - (7) ऊपर (6) में अंकित कार्य उसके लेखे किए जाते हैं या अन्य व्यक्तियों की ओर से किए जाते हैं और यदि हां, तो मालिक (मालिकों) का (के) नाम और पता (पते)।

 - (8) संवत् फीस की रकम—_____
2. मैंने/हमने चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1989 ध्यान पूर्वक पढ़ और समझ लिया है और मैं/हम उक्त आदेश के उपबंधों का पालन करने के लिए सहमत हूँ/हैं।

भवदीय

आवेदक (आवेदकों) के हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

(जो लागू न हो उसे काट दें)

टिप्पणी :—कम्पनी के मामले में आवेदक निदेशक या सचिव या कम्पनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा; भागीदार फर्म के मामले में एक भागीदार द्वारा हस्ताक्षरित होगा, वैयक्तिक मामले में हस्ताक्षर के पश्चात एक मात्र स्वतन्त्र शब्द जोड़े जाएंगे।

प्ररूप "ख"

(खण्ड 5 देखिए)

चाय के भण्डारकरण/सम्मिश्रण/पैकेज बनाने सम्बन्धी किया कलापों के लिए अनुज्ञप्ति ।

(अनन्तरणीय)

चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश 1989 के खण्ड 5 (2) के अधीन जारी की गई ।

14 ग्रेबोर्न रोड,
(बी टी एम सारणी)
कलकत्ता-1
तारीख :
अनुज्ञप्ति सं.

श्री/श्री/श्री/की चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1989 के निबन्धनों के अनुसार, अनुपपत्तिवारी के रूप में चाय के भण्डारकरण/सम्मिश्रण/पैकेज बनाने का कारबार करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

यह अनुज्ञप्ति _____ तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, जब तक कि चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश 1989 के खण्ड II के अधीन उन तारीख से पूर्व रह या निलम्बित न कर दो जाए, विधिमाम्य है ।

यह अनुज्ञप्ति भाण्डागार और नीचे दिए गए स्थान के लिए विधिमाम्य है :—

भाण्डागार का पता

तल का क्षेत्रफल

अध्यक्ष
चाय बोर्ड
अनुज्ञापन प्राधिकारी

(* जो लागू न हो उसे काट दें)

प्ररूप "ग"

[खंड 14 (4) देखिए]

चाय बोर्ड

मैंने यह प्रतीत होता है कि आपने परिमन में _____ चाय के भण्डारकरण/सम्मिश्रण/पैकेज बनाने के क्रियाकलापों में चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश 1989 के खंड _____ का उल्लंघन किया है

अतः अब, मैं चाय/या उत्पाद का अभिग्रहण करता हूँ और आपको निदेश देता हूँ कि आप लगभग _____ किलो/पेटिया/थैलों के उक्त सील बंद भंडार को ऐसे आदेश के अधधीन रहते हुए जो कि तत्पश्चात उसके बारे में विषय में जारी किया जाए अपनी सुरक्षित अभिरक्षा में रखें । बोर्ड अभिग्रहीत चाय की बाबत जो आपको सुरक्षित अभिरक्षा के लिए दी गई है भाड़े के लिए किसी दावे या किसी अन्य प्रकार या किसी हानि के लिए दायी नहीं होगा ।

स्थान :

हस्ताक्षर

तारीख :

पद

साक्षी :

1.	नाम	पता	हस्ताक्षर
2.	नाम	पता	हस्ताक्षर
3.	नाम	पता	हस्ताक्षर

उपर्युक्त का मौलिक प्राप्त हुआ और मैं उसके अर्न्तवस्तु को पढ़ लिया और उसका पालन करने के लिए सहमत हूँ ।

[फाईल नं. के.-11012(2)/80 बागान-ए]

जी.एस. वैकटरामण, अगर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

ORDER

New Delhi, the 20th June, 1989

The Tea Warehouses (Licensing)

Order, 1989

S.O. 472(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (3) and (5) of section 30 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) This order may be called the Tea Warehouses (Licensing) Order, 1989.

(2) It shall come into force on the expiry of ninety days of its publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—(1) In this Order, unless the context otherwise requires :—

- (a) “Act” means the Tea Act, 1953 (29 of 1953);
- (b) “Chairman” means the Chairman of the Tea Board and includes any person exercising, for the time being, the powers of the Chairman;
- (c) “Form” means a form appended to this Order;
- (d) “Licence” means a licence granted under this Order;
- (e) “Licensee” means a licence holder of a licence;
- (f) “Licensing Authority” means the Chairman or any other Officer of the Tea Board so authorised by the Central Government in this behalf;
- (g) “Tea Board” means the Tea Board established under section 4 of the Act;
- (h) “Warehouse” means a covered shed or godown having a floor area measuring not less than 200 square metres wherein storing, blending or packaging of tea is done;
- (i) “Warehouse owner” means a person who owns a warehouse or who carries on the activities of storing, blending or

packaging of tea by taking lease of a warehouse.

(2) All the words and expressions used in this order and not defined but defined in the Tea Act, 1953 (29 of 1953), shall have the meaning respectively assigned to them in that Act.

3. Warehouse owners to obtain licence.—(1) No warehouse owner shall carry on the activities of storing, blending or packaging of tea except under a licence and in accordance with the provisions of this Order:

Provided that,—

(a) The area of applicability of this Order in the cities/towns where public tea auctions are held under licence granted to the local Auction Organisers as per Tea (Marketing) Control Order, 1984, shall be within the limits as prescribed below :—

- (i) Calcutta—Within a distance of 20 Km. of the Auction Hall.
- (ii) Siliguri—Within a distance of 10 Km. of the Auction Hall.
- (iii) Guwahati—Within a distance of 15 Km. of the Auction Hall.
- (iv) Cochin—Within a distance of 10 Km. of the Auction Hall.
- (v) Coonoor—Within a distance of 05 Km. of the Auction Hall.
- (vi) Coimbatore—Within a distance of 10 Km. of the Auction Hall.
- (vii) Amritsar—Within a distance of 10 Km. of the Auction Hall.

Provided further the Licensing Authority may, with the prior approval of the Central Government, modify the aforesaid area of applicability of this Order or prescribe area of applicability under the Order in the case of any new auction centre that may be set up in any other city/town in India under the licence as per Tea (Marketing) Control Order, 1984;

(b) The Licensing Authority may also keep in view the optimum warehouse space to be licensed in each centre considering the volume of production of tea and its movement through the licensing centre;

(c) No licence shall be required in respect of warehouses located inside the Port area owned by any Port Trust Authority established under any law for the time being in force;

(d) The Licensing Authority may also exempt the warehouses of road carriers storing teas for a short transit period from the purview of licensing.

4. Application for Licence.—Every person desiring to obtain a licence shall make an application to the Licensing Authority in Form 'A'. The Licensing Authority may call for additional information and documents which may be considered necessary in this regard.

5. Grant or refusal of licence.—(1) The Licensing Authority may, for reasons to be recorded in writing, refuse to grant a licence to any applicant and shall furnish him with a copy of the order so passed.

(2) Where an application for licence is not refused under sub-clause (1), the Licensing Authority shall grant the applicant a licence in Form 'B'.

(3) While granting/refusing licence, the Licensing Authority may consider, besides other conditions, the financial worth of the applicant and the past experience of the applicant or its proprietor/partners/directors to ensure that the applicant will be able to render satisfactory services to its clients/tea trade.

6. Period of validity of licence.—(1) A licence issued under this Order, unless cancelled or suspended earlier, shall remain valid for a period of three years from the date of its issue and may be renewed for a further period of one year at a time.

(2) Every application for renewal of a licence shall be accompanied by the licence which is sought to be renewed and shall be made not less than thirty days before the date of expiry of the licence which is sought to be renewed.

(3) Notwithstanding anything contained in clause 5 or clause 6, any licence issued or renewed under this Order may be signed by the Secretary to the Tea Board for and on behalf of the Licensing Authority.

1667 GI/89 2.

7. Fees for Licence.—Every application for the issue of a licence or renewal thereof shall be accompanied by the following fees, namely :—

for the issue of a licence—Rs. 1000/-

for renewal of a licence—Rs. 200/-

8. Amendment of Licence.—The Licensing Authority may, of its own accord or on application by the licensee, amend any licence granted under this Order in such manner as may be necessary to make such licence conform to the provisions of the Act or other provisions of this Order or any other law for the time being in force or to rectify any errors or omissions in the licence :

Provided that when an application by the licensee for amendment of the licence is not granted or where the Licensing Authority is of opinion that the proposed amendment will be prejudicial to the interest of the licensee, the licensee shall be given reasonable opportunity of being heard before action under this clause is taken.

9. Duplicate licence.—If the Licensing Authority is satisfied that licence issued under this Order is defaced, lost, destroyed or otherwise rendered useless, the Licensing Authority may, on application made in that behalf and on payment of a rupees one hundred issue a duplicate licence.

10. Conditions of licence.—(1) Every licence shall be deemed to have been granted or renewed personally in favour of the licensee and shall not be transferable.

(2) Where a licensee intends to sell or transfer his business to another person, both the licensee and the proposed purchaser or the proposed transferee, as the case may be, must obtain prior permission of the Licensing Authority and the purchaser/transferee shall obtain fresh licence in his favour in accordance with the provisions of this Order.

(3) If a licensee enters into a partnership in regard to the business covered by his licence, he shall report the fact to the licensing authority within thirty days of his entering into such partnership and shall get the licence suitably amended and thereupon the partner as well as the original holder of the licence shall be bound by the conditions of the licence as amended.

(4) If a partnership is dissolved, every person who was a partner immediately before such dissolution shall send a report of the dissolution to the licensing authority within thirty days thereof.

(5) Every licensee shall produce his licence for inspection on demand by an official of the Tea Board duly authorised by the Licensing Authority in this behalf.

(6) Where any licensee intends to close his business, he shall intimate his intention in this behalf to the Licensing Authority at least one month in advance of the proposed closure.

(7) The warehouse shall conform to the following specifications:—

- (a) Shall be fit for tea storage;
- (b) The walls and the roof may preferably be made of bricks and well plastered, or be made of tins or asbestos, but in any case the walls and roof must be damp-proof and leak-proof;
- (c) The floor shall be of pucca construction, properly cemented and damp-proof;
- (d) It shall be properly ventilated, but at the same time protected against pests, rodents, birds and insects;
- (e) There shall be adequate lighting arrangements and electrical fittings should be maintained in good condition;
- (f) There shall be adequate number of gates of appropriate size for easy ingress and egress of tea chests;
- (g) The entry/exit gates shall have leakproof covered sheds to protect against rain damage at the time of loading/unloading of tea chests;
- (h) The doors and windows shall be properly secured for the safety of the stored goods;
- (i) Where the warehouse will store teas other than owned by the licensee, there shall be adequate space for parking/manoeuvring of the vehicles carrying teas. The approach roads shall be properly maintained and shall have adequate number of fire-fighting equipments;

(j) The warehouse shall store only tea and other materials connected with the storage, blending and packaging of tea. Anything which may adversely affect the quality of tea shall not be kept in the warehouse;

(k) The hygienic condition of the surrounding area adjoining the warehouse shall be properly maintained;

(l) No new construction shall be undertaken in an area prone to waterlogging. The existing warehouses shall take proper precaution against entry of water due to sudden heavy rainfall;

(m) The workers engaged for manual blending of tea shall wear clean dresses and shall not have contagious disease.

(n) The warehouse must have adequate number of supervisory, clerical staff and workers depending upon the nature of business carried out therein and commensurate with the volume of business handled.

(o) The warehouse storing teas not belonging to the licensee shall have the following:—

- (i) Adequate number of watch-and-ward staff;
- (ii) Adequate number of weighing scales proportionate to the volume of business which the warehouse is capable of handling. Such scales in operation shall be maintained properly to ensure correct reading of weights;
- (iii) Shall use dumping pads made out of appropriate materials to avoid damage of tea chests while dropping on the floor;
- (iv) Shall not stock too high which may cause damage to the chests and leave enough space between two rows of stacking for smooth movement of workers and easy identification of chest markings;
- (v) There shall be adequate space for office, for receiving, delivery and sorting of teas, for the brokers to draw samples and for blending/

packaging of tea, wherever such operations are applicable.

(8) The Licensing Authority shall satisfy himself that the person in whose favour the licence is to be/has been granted :—

- (a) has the required facilities for ensuring proper blending, packaging or storage of tea; and
- (b) shall not carry on the business in a manner detrimental to the tea industry.

(9) Every licensee shall comply with the directions given by the Licensing Authority from time to time regarding the handling of tea by the persons engaged in the warehouses.

11. Suspension or cancellation of licence.—(a) the Licensing Authority may, after giving the holder of a licence an opportunity of being heard, cancel or suspend the licence on the ground that any of the provisions of this Order or any conditions of the Licence have been contravened;

(b) Every order suspending or cancelling a licence shall be in writing and shall specify the reasons for such suspension or cancellation and shall be communicated to the licensee within fifteen days of the passing of such order;

(c) Where a licence is suspended or cancelled under this Order, the holder of a licence shall not be entitled to claim from the Tea Board or the Central Government any compensation or refund of licence fee for such suspension or cancellation;

(d) Where a licence is suspended under sub-clause (a), the Licensing Authority or any officer of the Tea Board authorised in this behalf by the Licensing Authority may enter the licensed warehouse and seal the stocks of tea or tea product stored therein;

(e) A licensee whose licence has been suspended shall forthwith stop the activities of storing blending or packaging of tea in the concerned warehouse during the period of suspension of the licence.

(f) Where,—

- (i) the order of suspension is revoked, the stocks of tea/products sealed under sub-clause (d) shall be restored to the licensee; or,

- (ii) the licence has been cancelled, the sealed stocks of tea/tea products shall be restored to the warehouse owner with advice to clear the warehouse of the said stocks within such period as may be fixed in this behalf by the Licensing Authority.

12. Appeal.—Any person aggrieved by an Order of the Licensing Authority under clause 5(1) or clause 11 may, within a period of two months from the date of receipt by him of the order, prefer an appeal to the Central Government and the Central Government may, after making such inquiry as it thinks fit and after giving the applicant an opportunity of being heard, confirm, reverse or modify the order.

13. Maintenance of accounts etc.—(i) The Licensing Authority may issue directions to any licensee,—

- (a) to maintain such records of the volume of business carried on by the warehouse;
- (b) to submit to the Licensing Authority the returns or statements in such form and containing such information relating to his business and within such time as may be specified in the direction;
- (c) to produce for inspection to such officer of the Tea Board as may be authorised in this behalf by the Licensing Authority such books of accounts and records relating to his business as may be specified in the direction.

(ii) Any direction of the nature referred to in sub-clause (i) may be issued either generally to all licensees or to any class or category of licensees as the circumstances may require.

14. Service of orders and directions.—Any order or direction made or issued by the Licensing Authority or by any authority under this Order shall,—

- (a) in the case of an order or direction to the licensees in general or to a class or category of licensees be notified in the Official Gazette, and
- (b) in the case of an order or direction to a particular licensee, be served on such licensee :—

- (i) by delivering or tendering it to that licensee, or

- (ii) where it cannot be so delivered or tendered, by affixing it on the outer door or some other conspicuous part of the premises in which that licensee lives, or carries on business, or personally works for gain and a written report thereof shall be prepared and witnessed by two persons living in the neighbourhood.

15. Power of entry, search and seizure.—(i) Licensing Authority or any officer, of the Tea Board specially authorised by it in writing in this behalf may enter and search any warehouse for the purpose of ensuring compliance with the provisions of the Order and may seize any tea or product of tea which appears to be stored, blended or packaged in contravention of the provisions of this Order.

(ii) Any officer taking action under this clause shall submit a report to the Licensing Authority within twenty four hours of taking such action.

(iii) The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), relating to searches

and seizures, shall, so far as may be, apply to every search or seizure made under this order.

(iv) Where the Licensing Authority or any officer of the Tea Board seizes any tea or product of tea under sub-clause (i) and decides to keep the same in safe custody of the owner of the warehouse, such authority or officer shall, after sealing the stock, make an order to that effect in form 'C' and serve the same on the owner and the owner shall comply with such order.

16. Breach of conditions of licence to be deemed contravention of this Order.—If any licensee commits any breach of any of the terms and conditions of the licence he shall be deemed to have contravened the provisions of Order.

17. Repeal and Saving.—Tea Warehouses (Licensing) Order, 1980 is hereby repealed :

Provided that any order issued or any action taken under the above order, shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this Order.

FORM 'A'

(See Clause 4)

Application for licence under Clause 3 of the Tea Warehouse (Licensing) Order, 1989.

To

The Licensing Authority,
Tea Board,
14, B.T.M. Sarani (Brabourne Road),
Calcutta-1.

Sir,

I/We* apply for licence for carrying on the activities of storing/blending/packaging of tea.

I/We* furnish the necessary particulars below:—

(1) Name of the Applicant (in block letters) :

(2) Full address (to which correspondence should be sent) :

(3) Full address of the warehouse where the applicant intends to do storing/blending/packaging of tea :

(4) Floor area of the warehouse

(a map to the scale to be enclosed)

- (5) Whether the warehouse owner holds the warehouse on his own account or on lease or on permission from the owner:

- (6) Nature of business (storing/blending/packaging etc.) to be carried out in the warehouse:

- (7) Whether the operations stated at (6) above are carried out on his own account or on behalf of other person, and if so, furnish the names and address of the Principal(s):

- (8) Amount of fees paid:

2. I/We* have carefully read and understood the Tea Warehouse (Licensing) Order, 1989, and hereby agree to abide by the provisions of the said Order.

Your faithfully,

[Signature of the applicants(s)]

Place_____

Date_____

(*score out the word not applicable)

Note : The application should be signed in the case of a company by a Director or the Secretary or an authorised agent of the company; in the case of a partnership firm by one of the partners; and in the case of an individual the words 'Sole Proprietor' shall be appended after the signature.

FORM 'B'

(See Clause 5)

TEA BOARD

Licence for carrying on the activities of Storing/Blending/Packaging of Tea.
(Not Transferable)

Issued under clause 5(2) of the Tea Warehouses (Licensing) Order, 1989.

14, Barbourne Road,
(B.T.M. Sarani),
Calcutta-1

Dated_____

Licence No._____

Shri/Sarvashri*_____ of _____
is/are* hereby authorised to carry on the business of strong/blending/packaging of tea as a Licensee in terms of the Tea Warehouse (Licensing) Order, 1989.

This licence is valid upto and including _____, 19_____
unless cancelled or suspended before that date under clause 11 of the Tea Warehouses (Licensing) Order, 1989.

This licence is valid for the Warehouse and space mention below :—

Warehouse Address

Floor area

Chairman,
Tea Board,
Licensing Authority.

(*score out the words not applicable)

FORM 'C'

[See Clause 14 (iv)]

TEA BOARD

Whereas it appears to me that you have been in contravention of clause _____ of the Tea Warehouses (Licensing) Order, 1989, carrying on the activities of storing/blending/packaging of tea in premises No.....

Now, therefore, I seize the tea/tea product and hereby direct you to keep in your safe custody the said scaled stock of about _____ Kilos/chests/bags subject to such order as may subsequently be issued in relation thereto. The Board do not hold themselves liable for any claim for rent or any other charges or for any loss you may sustain for the tea seized and handed over to you for safe custody.

Place _____

Date _____

Signature _____

Designation _____

Witness

1. _____

(Name)

(Address)

(Signature)

2. _____

(Name)

(Address)

(Signature)

Received the original of the above, I have read the contents and agree to abide by it.

[File No. K-11012(2)/80-Plant. A]

V.S. VENKATARAMAN, Addl. Secy.